

- GIBE (subs.) : गालिः, J. : v. Abuse.
 GIBE (v.) : गालिं ददाति (दा, c. 3.). J. : v. To abuse.
 GIBLETS : खगानां हृद्यकृदादि ; खण्डमांसम् (?).
 GIDDILY : i.e. thoughtlessly : (1) चापल्येन ; (2) चञ्चलतया ; etc.
 GIDDINESS : I. Lit. : शिरोहर्षः (?), Bha. II. Fig. : thoughtlessness : (1) चापल्यम् ; (2) चाञ्चल्यम् ; (3) चलचित्तता.
 GIDDY : I. Lit. : expr. by भ्रमति or भ्राम्यति (भ्रम्, c. 1. and 4), *I feel g.* : शिरो मे भ्रमति. II. Fig. : fickle : (1) चञ्चलः (ला, लं) ; (2) चपलः (ला, लं).
 GIFT (subs.) : I. A present : q.v. : (1) दानम्, *great g.* : महादानम्, He. ; (2) दत्तम्, *g.s from brothers* : भ्रातृदत्तम्, N.s. ; (3) दायः (rare), *g. of love* : प्रीतिदायः, Ram. II. An endowment : *you have all the g.s of nature* : *सर्वाणि ते स्वामाविकान्यमिलषणीयानि सन्ति ; शक्तिः (=faculty, power).
 GIFTED : I. Endowed : q.v. : अन्वितः (ता, तं) ; सम्पन्नः (त्रा, त्रं). II. Endowed with natural g.s : शक्तिसम्पन्नः (त्रा, त्रं) (?).
 GIG : लघुयानविशेषः.
 GIGANTIC : (1) अतिमानुषः (घी, घं) (=super-human) ; (2) दानवः (वी, वं) (?). Comp. दैत्यमलः of V.p. v. 20. 64.
 GIGGLE (v.) : प्रहसति (हस्, c. 1.) (?) : v. To laugh.
 GILD (v.) : स्वर्णलं or हेमलं (f. लां) करोति (??) ; स्वर्णेन रञ्जयति (रञ्ज्, c. 10.).
 GILDED, GILT : स्वर्णलः or हेमलः (ला, लं) (??) ; स्वर्णरञ्जितः (ता, तं) (?).
 GILDER : expr. by verb, स्वर्णरञ्जकः (??).
 GILDING : I. The art : स्वर्णरञ्जनम् (?) ; स्वर्णकर्मन् (n.). II. The gold surface : स्वर्णच्छदः (?).
 GILL : i.e. quarter of a pint : पादः : v. Pint.
 GILLS : of a fish : नासारन्ध्रे (n. dual) (?).
 GIMLET : (1) वेधनिका ; (2) आवेधः ; (3) आस्फोटनी.
 GIN (subs.) : I. A spirit : शीघ्रः (?). II. A snare : q.v. : जालम्. III. A machine : यन्त्रम्, *cotton -g.* : *कार्पासयन्त्रम्.
 GIN (v.) : शोधयति (c. of शुष्) : v. To clean.
 GINGER : (1) आर्द्रकम् ; (2). शृङ्गवेरम्, *A. Dry g.* :

- शुण्ठिः. *G.-bread* : आर्द्रकरसवासितपिष्टकविशेषः. *G.-beer, pop, or wine* : *आर्द्रकासवः.
 GINGERLY : v. Cautiously.
 GIPSY : *याज्ञ (f. क्षी) ; हाप्सिः (f. प्सी).
 GIRAFFE : *दीर्घग्रीवः ; चित्रोष्ट्रः.
 GIRD (v.t.) : (1) वेष्टयति, अधि- (वेष्ट्, c. 10.) (=to encircle : q.v.), *g. ed by the mountain*..... भूमिश्रुताधिवेष्टितः (ता, तं), Ki. xii. 22. ; (2) नहति, अपि- (नह्, c. 4.) (=to fasten), *the matted hair g. ed upon with snakes* : मुजङ्गमोन्नद्धजटाकलापः (पा, पं), Ku. iii. 46.
 GIRDER : आधारदार (n.) (?).
 GIRDLE : (1) मेखला ; (2) रस(श)ना ; (3) काञ्ची ; (4) कट्या ; (5) सारसनम् ; (6) परिकरः (any g.), *with tied g.* : बद्धपरिकरः, D. ; (7) शृङ्खली (=man's g.).
 GIRL : (1) बाला ; (2) बालिका ; (3) कन्या (=unmarried g. and gen. with ref. to the parents) ; (4) कुमारी (=a virgin) ; (5) बाष् (only in *addressing g.s.*).
 GIRLHOOD : (1) बाल्यम् (=childhood : q.v.) ; (2) बालिकावस्था ; (3) बालभावः, K.
 GIRLISH : I. Pertaining to a girl : expr. by comp. II. Like a girl : expr. by circumlo, *g. taste* : बालानामिव रुचिः.
 GIRLISHLY : (1) बालेव ; (2) कुमारीव : v. Girl, like.
 GIRTH : I. Of a horse : (1) वरत्रा ; (2) बद्धम्. II. The middle : मध्यम्.
 GIST : (1) फलितार्थः ; (2) फलार्थः.
 GITTERN : v. Guitar.
 GIVE (v.t.) : I. To bestow : (1) ददाति, दत्ते or यच्छति, प्र-, सम्प्र-, सं-, (दा, c. 3. and 1), *the king g.s him his daughter and lieutenancy* : तस्मै राजा ददाति तनयां च यौवराज्यं च, K.s. xxiv. 53. ; *to g. knowledge* : विद्यां दातुम्, Ki. iii. 23. ; (2) वितरति (तृ, c. 1.) (=to g. freely), *I will g. you eyes* : चक्षुस्ते वितराम्यहम्, Mah. ; (3) वि-सर्जयति, अति- (सृज्, c. 10.) (=to g. lavishly), *for taking is to g.* : आदानं हि विसर्गाय, R. iv. 86. ; (4) प्रति-पादयति (c. of पद्) (rare) (=to make over), *g. ing of things with faith* : अर्थानां श्रद्धया प्रतिपादनम्, H.s. ; (5) स्पर्शयति (c. of स्पृश्) (rare) (=to cause to reach), *g. ing millions of kine* : गाः कोटिशः स्पर्शयता, R. iii. 49. II. To deliver :